Date
18/7/20.

B.A - Part - II

Paper - IV

Lecture No - 45

Assistant Professor, Marwari
college Darbanga.

TOPIC अवलोकन के प्रकार

3. सहभागी अवलोकन (Participant observation)

4. असहभागी अवलोकन (Non-Participant observation)

5. अर्द्ध सहभागी अवलोकन (Quasi-Participant observation)

6. सामूहिक निरीक्षण (Mass observation)

अनियंत्रित अवलोकन

ऐसे निरीक्षण को कहते हैं जिसमें इन लोगों पर किसी प्रकार का नियंत्रण न हो जिनका अनुसंधानकर्ता निरीक्षण कर रहा है। इस प्रकार के अवलोकन में अवलोकन की जाने वाली घटना को बिना प्रभावित किए हुए उसे उसके स्वाभाविक रूप में देखने का प्रयास किया जाता है। इसलिए गुडे एवं हाट इसे साधारण अवलोकन कहते हैं। समाज विज्ञानों में इस अवलोकन को स्वतंत्र अवलोकन भी कहा जाता है।

सामाजिक अनुसंधानों में अनियंत्रित अवलोकन पद्धति ही सर्वाधिक प्रयुक्त होती है।

Scanned with CamScanner

अनियंत्रित अवलोकन की कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं—

1. अवलोकनकर्ता पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं लगाया जाता है

2. घटना का स्वाभाविक परिस्थिति में अध्ययन किया जाता है

3. यह अत्यन्त सरल एवं लोकप्रिय विधि है

अनियंत्रित अवलोकन के कुछ दोष हैं जो निम्न हैं—

1. अवलोकनकर्ता इस विश्वास से ग्रसित हो सकता है कि उसने जो कुछ अपनी आँखों से देखा है वह सब सही है, परिणामस्वरूप त्रुटियों, भ्रान्तियों आदि की सम्भावनाएँ बढ़ जाती हैं

2. कभी-कभी अनावश्यक तथ्य भी संकलित हो जाते हैं

3. घटनाओं को देखते समय अवलोकनकर्ता

तथ्यों का लेखन नहीं कर पाता अतः आवश्यक सूचनाएं छूट जाती है।

नियन्त्रित अवलोकन

नियंत्रित अवलोकन में अवलोकनकर्ता पर ही नियंत्रण होता ही है साथ ही साथ अवलोकन की जाने वाली घटना अथवा परिस्थिति पर भी नियंत्रण किया जाता है। इस प्रकार के अवलोकन में दो तरह से नियंत्रण किया जाता है —

1. सामाजिक घटना पर नियंत्रण — जिस तरह प्राकृतिक विज्ञानों में प्रयोगशाला में परिस्थितियों को नियंत्रित करके अध्ययन किया जाता है, उसी प्रकार समाज वैज्ञानिक भी सामाजिक घटनाओं को नियंत्रित करके उनका अध्ययन करते हैं। इस विधि का प्रयोग बालकों के व्यवहारों आदि के अध्ययन में प्रयुक्त किया जाता है।

Scanned with CamScanner